vinetur

भौगोलिक संकेतों की विदेशों में सुरक्षा की मांग को लेकर इटली और 11 अन्य ईयू देशों ने ब्रसेल्स से अपील की

ईयू का कहना है कि अमेरिकी व्यापार उपाय Champagne, Porto, Cava, Tokaj और अन्य संरक्षित नामों की सुरक्षा कमजोर कर सकते हैं

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



इटली और यूरोपीय संघ के 11 अन्य सदस्य देशों ने यूरोपीय आयोग से विदेशी बाजारों में भौगोलिक संकेतों की सुरक्षा

के लिए समन्वित रणनीति बनाने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि अमेरिका की कई व्यापार और विधायी पहल यूरोप के कुछ सबसे प्रसिद्ध खाद्य और पेय उत्पादों के नामों की सुरक्षा कमजोर कर सकती हैं।

इटली के कृषि, खाद्य संप्रभुता और वानिकी मंत्री Francesco Lollobrigida ने सोमवार, 23 नवंबर को कहा कि भौगोलिक संकेतों की रक्षा का अर्थ किसानों के काम और उत्पादों तथा उनके मूल स्थानों के बीच संबंध की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा कि इटली ने 11 अन्य सदस्य देशों के साथ मिलकर ईयू से संरक्षित नामों की रक्षा और साझा बौद्धिक संपदा नियमों को कायम रखने के लिए "सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर" संयुक्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

इटली की ओर से यूरोपीय आयोग को सौंपे गए सूचना-पत्र के अनुसार, इस मांग को ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, फ्रांस, ग्रीस, हंगरी, पोलैंड, पुर्तगाल, स्लोवेनिया और स्पेन का समर्थन मिला।

इटली की पहल में कहा गया है कि कई अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम ईयू की भौगोलिक संकेतों की व्यवस्था पर दबाव डाल रहे हैं। इन सुरक्षा उपायों के तहत उन उत्पादों के नाम आरक्षित रखे जाते हैं जो किसी खास मूल स्थान और उत्पादन पद्धति से जुड़े होते हैं। यूरोप में ये कृषि उत्पादों और पेय पदार्थों की एक विस्तृत श्रृंखला पर लागू होते हैं, जिनमें वाइन और स्पिरिट भी शामिल हैं।

सूचना-पत्र में खास तौर पर अमेरिका के घटनाक्रमों का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि Farm Bill में संशोधन और Safeguarding American Food and Export Trade Yields Act of 2025 नामक विधेयक का उद्देश्य भौगोलिक संकेतों को ऐसे "सामान्य नामों" के रूप में वर्गीकृत करना है जिनका स्वतंत्र रूप से इस्तेमाल किया जा सके। यूरोपीय अधिकारियों और उत्पादक देशों ने लंबे समय से इस दृष्टिकोण का विरोध किया है। उनका कहना है कि इससे विशिष्ट क्षेत्रों और परंपराओं से जुड़े नामों की कानूनी सुरक्षा कमजोर होती है।

Lollobrigida ने कहा कि यह मुद्दा केवल कानूनी नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। उनके मुताबिक, यूरोपीय आपूर्ति शृंखलाओं के लिए अहम उत्पादों के नामों को आम, सामान्य लेबल नहीं माना जाना चाहिए। उनकी टिप्पणियां ईयू की कई राजधानियों में इस चिंता को दर्शाती हैं कि अगर यूरोप में संरक्षित नामों को अन्य जगहों पर आम शब्द मान लिया गया, तो ईयू से बाहर के उत्पादक उन्हीं या मिलते-जुलते नामों से प्रतिस्पर्धी वस्तुएं बेच सकते हैं।

इटली के सूचना-पत्र में पारस्परिक व्यापार व्यवस्थाओं के जरिए अमेरिका की व्यापक रणनीति का भी उल्लेख है। दस्तावेज़ के अनुसार, वॉशिंगटन अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, इक्वाडोर, अल सल्वाडोर, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, जॉर्डन, मलेशिया और ताइवान के साथ ऐसे समझौते पहले ही कर चुका है और भारत समेत अन्य देशों के साथ बातचीत कर रहा है। इटली और उसके साझेदारों का कहना है कि इस तरीके से पहले से लागू ईयू व्यापार समझौतों, जैसे Mercosur, या थाईलैंड, मलेशिया और भारत के साथ जारी वार्ताओं में हस्तक्षेप हो सकता है।

इस विवाद का पेय क्षेत्र पर सीधा असर पड़ सकता है, क्योंकि बहस में जिन कई नामों का उल्लेख हुआ है, वे वाइन और बीयर से जुड़े हैं। अगर तीसरे देशों के बाजारों या ऑनलाइन मंचों पर संरक्षित नामों को तेजी से सामान्य नाम माना जाने लगा, तो यूरोपीय उत्पादकों के लिए स्पार्कलिंग वाइन, फोर्टिफाइड वाइन और अन्य पेयों पर इस्तेमाल होने वाले अपीलीय नामों के व्यावसायिक विशिष्टता अधिकार का दावा कमजोर पड़ सकता है। इससे ईयू के बाहर नकल पर आधारित ब्रांडिंग के खिलाफ कार्रवाई भी जटिल हो सकती है।

इटली की चिंताएं व्यापार वार्ताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इंटरनेट तक भी फैली हैं। सूचना-पत्र में कहा गया है कि इंटरनेट कॉरपोरेशन फॉर असाइन्ड नेम्स एंड नंबर्स, यानी ICANN, ने ऐसे नए सामान्य डोमेन नाम आवंटित किए हैं जिनमें संरक्षित उत्पाद नाम शामिल हैं, जैसे .asiago, .gorgonzola, .champagne, .porto, .budweiser, .cava और .tokaj। रोम और इस पहल का समर्थन करने वाले देश इसे एक और ऐसा क्षेत्र मानते हैं जहां ईयू को अधिक एकजुट प्रतिक्रिया देने की जरूरत है।

इन उदाहरणों में खाद्य और पेय, दोनों क्षेत्र शामिल हैं, लेकिन इनमें से कई यूरोप के वाइन उत्पादक क्षेत्रों के लिए खास

तौर पर संवेदनशील हैं। Champagne, Porto, Cava और Tokaj जैसे नाम निश्चित भौगोलिक उत्पादन क्षेत्रों और लंबे समय से चले आ रहे निर्यात बाजारों से गहराई से जुड़े हैं। इन शब्दों को सामान्य पहचान-चिह्न के रूप में अधिक व्यापक स्वीकृति मिलने से तीसरे देशों और डिजिटल मंचों पर उत्पादकों के लिए इनकी रक्षा करना प्रभावित हो सकता है।

Lollobrigida ने कहा कि इटली की प्रस्तावित रणनीति में कानूनी सुरक्षा, जागरूकता बढ़ाने के प्रयास और ईयू से बाहर के देशों के साथ तकनीकी सहयोग शामिल होगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादन प्रणालियों और सतत क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए भौगोलिक संकेतों की सुरक्षा मजबूत करना होगा।

इस मांग से यूरोपीय आयोग पर यह तय करने का नया दबाव बना है कि क्या वह व्यापार नीति, डिजिटल प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा विवादों में भौगोलिक संकेतों पर अधिक स्पष्ट साझा रुख अपनाएगा। वाइन, चीज़ और विशिष्ट खाद्य उत्पादों के बड़े निर्यात वाले देशों के लिए यह मुद्दा अधिक तात्कालिक हो गया है, क्योंकि बाजार तक पहुंच की बातचीत में नामों के अधिकारों को लेकर विवाद तेजी से शामिल हो रहे हैं।